कुपोषित जुड़वां बच्चों में से 1 की मौत, दूसरा रेफर

दूसरे का मेडिकल कॉलेज रीवा में उपचार जारी

नवभारत न्यूज

सतना 22 अप्रैल. बच्चों में कुपोषण के लिहाज से कुख्यात हो चुके जिले के चित्रकूट क्षेत्र के मझगवां अंचल में एक और दाग बुधवार को तब लग गया जब गंभीर तौर पर कुपोषित जुड़वों बच्चों में से 1 ने दम तोड़ दिया. वहीं दूसरे बच्चे की हालत गंभीर बनी हुई है जिसे देखते हुए उसका उपचार मेडिकल कॉलेज रीवा में जारी है.

इस घटना के सामने आते ही प्रशासन, महिला बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के स्थानीय जिम्मेदारों के बीच हड़कंप मच गया और आनन-फानन में कार्रवाई तेज कर दी गई.

चित्रकूट क्षेत्र के मझगवां विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम सुरंगी पथरा गांव के निवासी नत्थू प्रसाद प्रजापति के जुड़वां बच्चे 4 माह के नैतिक और प्रियांशी की तबियत पिछले कुछ दिनों से खराब चल रही थी. जिसके चलते दोनों का उपचार गांव के ही एक झोला छाप चिकित्सक से कराया जा रहा था. लेकिन उक्त उपचार के बावजूद दोनों बच्चों की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ. जिसके चलते उन्हें उपचार के लिए मझगवां स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया. लेकिन दोनों बच्चों की हालत इतनी गंभीर नजर आने लगी कि वहां पर उपचार करने के बाद उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया. जिसके चलते मंगलवार को दोनों बच्चों को जिला चिकित्सालय में बच्चों के आईसीयू वार्ड में भर्ती कर उपचार शुरु कर दिया गया था. चिकित्सालय में उपचाररत दोनों बच्चों की हालत को देखकर स्पष्ट नजर आ रहा है कि दोनों गंभीर तौर पर कुपोषित हैं. दोनों बच्चों का जन्म 20 दिसंबर को हुआ था और अब 4 महीने पूरे हो जाने के बावजूद भी नैतिक का वजह जहां 2 किलो 953 ग्राम है. वहीं प्रियांशी का वजन महज 2 किलो 862 ग्राम था. दोनों बच्चों के हाथ-पैर बुरी तरह सिकुड़े हुए और शरीर के नाम पर हड्डियों का ढांचा ही दिखाई दे रहा है. उपचार कर रहे शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. संजीव प्रजापति के अनुसार दोनों बच्चें के स्वास्थ्य की बारीकी से निगरानी की जा रही थी. लेकिन बुधवार को बालिका प्रियांशी की हालत लगातार बिगड़ने लगी. काफी प्रयास करने के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका. जिसे देखते हुए बालिका के शव को परिजनों को सौंप दिया गया. बताया गया कि परिजनों द्वारा मझगवां में शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया. वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए बालक नैतिक को मेडिकल कॉलेज रीवा रेफर कर दिया गया. जहां पर उसका उपचार जारी है. लेकिन फिलहाल उसकी हालत भी खतरे से बाहर नजर नहीं आ रही है.

संयुक्त टीम ने मारा छापा

गंभीर कुपोषित जुड़वों बच्चों का उपचार स्थानीय झोलाछाप चिकित्सक के यहां कराए जाने और बालिका की मौत हो जाने की जानकारी सामने आते ही बुधवार को प्रशासन सक्रिय हो गया. एसडीएम मझगवां महिपाल सिंह के नेतृत्व में ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर मझगवां रुपेश सोनी, एसडीओपी चित्रकूट राजेश बंजारा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी ग्राम पंचायत पालदेव पहुंच गए. जहां पर कथित झोलाछाप चिकित्सक प्रेमलाल अनुरागी के यहां छापामार कार्रवाई करते हुए क्लीनिक को सील कर दिया गया. बताया गया कि उक्त क्लीनिक में से कुछ दवाएं भी जब्त की गईं. जिसमें से कुछ एक्सपायरी नजर आ रही थीं. इसी कड़ी में उक्त चिकित्सक के विरुद्ध थाने में विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया गया.

फैला है मकड़जाल

चित्रकूट के मझगवां क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग और महिला बाल विकास के जिम्मेदारों द्वारा बरती जा रही घोर उपेक्षा के चलते उक्त क्षेत्र के लगभग प्रत्येक गांव में नर्सिंग होम की तर्ज पर झोला छाप चिकित्सकों के क्लीनिक संचालित होते देखे जा सकते हैं. पालदेव, पथरा, जुगुलपुर, मतहैन और अर्जुनपुर सहित कई ऐसे गांव हैं जहां पर झोलाछाप चिकित्सकों की समानांतर स्वास्थ्य व्यवस्था ने पूरा मकड़जाल फैला रखा है. कोई गंभीर मामला सामने आने पर कुछ समय के लिए सख्ती की औपचारिक कवायद शुरु कर दी जाती है. लेकिन समय बीतते ही मामले के ठंडे बस्ते में जाने में देर नहीं लगती.

संकट | कुपोषण का कलंक

जनविश्वास को तार-तार करती जिले की व्यवस्था

त्वरित टिप्पणी — डॉ. संजय पयासी

सपनों की दुनिया आंख खुलते ही हमेशा-हमेशा के लिए गायब हो जाती है.कुछ ऐसी ही हकीकत से जिले की जनता वर्षों से दो चार हो रही है.कागजों में उकेरे अंकों और व्यवस्था की बनाई भूलभुलैया में हांसिए में रह कर जीवन जीने वालों का स्याह पक्ष कम ही लोगों के सामने आ पता है.भूल से कभी आ भी गया तो व्यवस्था से जुड़े सारे पक्ष सामूहिक रूप से सच्चाई पर ऐसा पर्दा डाल देते हैं,जिसके पार कुछ भी देख समझ पाना किसी के लिए सम्भव नहीं हो पता. कुछ ऐसी ही कहानी जिले के माथे पर वर्षों से लगे कुपोषण के कलंक की है.

शासन-प्रशासन की अनदेखी के शिकार दर्जनों बच्चों की किलकारी तो गूंजती हैं पर पढ़े-लिखे समाज को नीचा दिखा, न जाने कहां गुम हो जाती है.राष्ट्रीय ,अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर संरक्षित श्रेणी में आ चुके सदियों से जंगल पहाड़ों के बीच रहने वाले वनवासी के जीवन में जैवविविधता का असर इस कदर नजर आने लगा है कि कई जनजातियां विलुप्त होने की कगार में पहुंच गई हैं.कहने के लिए सरकार ने शिशु और मातृ मृत्यु दर कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं.महिला बाल विकास की एकीकृत परियोजना के माध्यम से भी जमीनी स्तर पर सतत निगरानी की व्यवस्था की गई है.इसके बावजूद सोमवती,भारती और न जाने कितनी अपने जीवन की उस दहलीज तक नहीं पहुच पाती हैं.जिसके लिए हर माह करोडों रूपए खर्च किए जा रहे हैं.हद तो तब हो जाती है जब मेडिकल साइंस के जानकार भी ऐसे मामलों में बिना जांच पड़ताल सिर्फ लक्षण के आधार पर मौत के कारणों में अपनी सील लगा देते हैं.तमाम विकास के दावों को झुठलाती यह हकीकत जिले के पढ़े लिखे तपके के मुंह पर जड़े ताले पर प्रश्न चिन्ह लगा रही है.तिल-तिल कर मर रही लोकतांत्रिक व्यवस्था में अब लगने लगा है कि जिन्दा के संकेत जहां न मिले वहां मरे हुए का मातम माना भी बेइमानी से ज्यादा कुछ नहीं हो सकता है.इस पाप से मुक्ति के लिए अब जनता को ही किसी आन्दोलन के रूप में सामने आना पड़ेगा तभी हालत में कुछ सुधार हो सकता है.

ओव्हरलोड ट्रैक्टर ने ली युवक की जान

मृतक का शव रखकर किया चक्काजाम, तब कहीं आज जाकर पकड़ा गया ट्रैक्टर

नवभारत न्यूज

पन्ना, 22 अप्रैल . अजयगढ़ से लेकर समूचे पन्ना जिले में रेत परिवहन करने वाले ट्रक, ट्रैक्टर एवं डंफर किसी में भी नंबर नही रहते, चाहे जिसकी भी जान लेकर चलते बनते है फिर खोजबीन चलती रहती है।

एक ऐसा ही मामला फिर प्रकाश में आया जिसमें अजयगढ़ के सिंहपुर टोल बेरियर के पास एक बिना नम्बर वाले रेत से ओव्हरलोड़ ट्रैक्टर ने युवक की जान ले ली। हालाकि आज उस ट्रैक्टर को अजयगढ़ पुलिस ने पकड कर कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि उक्त टेऊक्टर रावेन्द्र सिंह बुंदेला जो की छतरपुर जिले के निवासी है उनका बताया गया है जब अजयगढ़ पुलिस से उक्त ट्रेक्टर का नंबर चाहा गया तो उन्होंने बताया कि ट्रेक्टर मालिक रावेन्द्र राजा ट्रेक्टर के कागजात लेकर आ रहे है तब नम्बर पता चल सकेगा। हासिल जानकारी के अनुसार रेत से ओवरलोड बिना नंबर के ट्रैक्टर ट्रॉली ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा में सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिसमें से एक ने अस्पताल पहुंचने के पहले ही दम तोड़ दिया। वहीं दूसरे की हालत नाजुक बनी हुई है। प्रतापपुर निवासी गोरेलाल अहिरवार उम्र 32 वर्ष एवं भैयाराम अहिरवार उम्र 28 वर्ष अपने साथी दीपू के साथ ई-रिक्शा पर सवार होकर एक शादी समारोह में शामिल होने भुड़ा जा रहे थे। जैसे ही वे सिंहपुर के पास ढाबा और टोल बैरियर के समीप पहुंचे, सामने से आ रहे तेज रफ्तार ओवरलोड ट्रैक्टर ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। घटना में गोरेलाल अहिरवार को गंभीर रूप से घायल होने पर सतना रेफर किया गया था, लेकिन रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वहीं भैयाराम अहिरवार का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। हादसे में दीपू अहिरवार को मामूली चोटें आई हैं। मृतक गोरेलाल के दो छोटे बच्चे हैं, घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे के बाद क्षेत्र के लोगों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बिना नम्बर के वाहनों द्वारा रेत के परिवहन के कारण आए दिन लोगों की जान जा रही है। क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों के प्रवेश पर तत्काल रोक लगाई जाए एवं बिना नम्बर वाले रेत परिवहन करने वाले वाहनों पर कड़ी कार्यवाही की जाये जिससे हादसों पर लगाम लगे। यदि प्रशासन ठोस कदम नहीं उठाता तो आंदोलन की भी चेतावनी दी है।

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार दो की मौत, एक गंभीर

नवभारत न्यूज

रीवा/हनुमना, 22 अप्रैल, हनुमना मुख्यालय से 10 किलो मीटर दूर मिर्जापुर जिले के दरामलगंज थाना क्षेत्र के लहुरियादह घाटी में एक तेज रफ्तार ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार दो लोगों की जहां घटनास्थल पर ही मौत हो गई. वहीं एक गंभीर रूप से घायल हो गया. हेलमेट के कारण गंभीर रूप से घायल होने केबावजूद उसकी जान बच गई.

मंगलवार की सुबह तकरीबन 9:00 बजे एक बाइक पर तीन लोग सवार होकर मऊगंज जिले के हनुमना थाना क्षेत्र के कचनार गांव में सोमवार को बारात में शामिल होकर लौट रहे थे कि अचानक तेज रफ्तार टेलर ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी. इस हादसे में बाइक में सवार तो समधियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई वहीं चालक अंकित पाल हेलमेट पहने होने के कारण सर में चोट नहीं लगने से गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद जिंदा बच गया मृतकों की पहचान लक्ष्मी नारायण पाल 57 वर्ष तथा हरिशंकर पाल 56 वर्ष के रूप में हुई है वही रीवा मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग 135 पर सुबह 9:00 बजे हुए इस वीभत्स सड़क हादसे के बाद ट्रेलर का चालक तत्काल मौके से फरार हो गया. हरिशंकर पाल उपाख्य कैर प्रयागराज जिले के महुली ग्राम का निवासी था लक्ष्मी नारायण अपने नाती अंकित के साथ प्रयागराज होते हुए अपने समाधि हरिशंकर को लेकर एक साथ तीनों हनुमना के कचनार गांव ग्राम गए थे जहां से बारात में शामिल होकर वापस लौट रहे थे बताया जाता है कि लक्ष्मी नारायण ग्राम सोहागी का रहने वाला है. घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने पीएम के लिये शवों को अस्पताल भिजवाया.

मोरवा बाजार में छोटे सिलेंडर में धमाका, बड़ा हादसा टला

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 22 अप्रैल। मोरवा स्थित पुरानी यूनियन बैंक रोड में आज बुधवार की दोपहर एक छोटे गैस सिलेंडर में अचानक हुए विस्फोट से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना दोपहर करीब 2 बजे की बताई जा रही है। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि या बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

स्थानीय लोगों के अनुसार यहां एक व्यापारी छोटे चूल्हे और सिलेंडर बनाने का काम करता है। साथ ही वह छोटे सिलेंडरों में गैस रिफिलिंग का कार्य भी करता है। बताया जा रहा है कि घटना के समय उसकी दुकान बंद थी और दुकान के बाहर एक लोहे के कंटेनर में कुछ छोटे सिलेंडर रखे हुए थे। इसी दौरान उनमें से एक सिलेंडर तेज धमाके के साथ फट गया। धमाका इतना तेज था कि लोहे के कंटेनर की चादर उड़ गई और आवाज करीब 100 मीटर दूर तक सुनाई दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फटा हुआ सिलेंडर 5 किलो का था, जिसमें लगभग आधी गैस ही भरी हुई थी। लोगों का कहना है कि यदि सिलेंडर पूरी तरह भरा होता तो हादसा और भी भयावह हो सकता था। घटना के समय राकेश विश्वकर्मा नामक व्यक्ति पास में खड़ी अपनी बाइक लेने जा रहा था, लेकिन किसी के आवाज देने पर वह कुछ देर रुक गया। इसी दौरान धमाका हो गया, जिससे वह बाल-बाल बच गया। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

प्रवेश प्रारंभ 2026-27

इंडियन चिल्ड्रेन एकेडमी

हायर सेकेंडरी स्कूल गणित । जीव विज्ञान । वाणिज्य । कला

सुविधा- योग्य एवं अनुभवी शिक्षक, लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लास, प्रेक्टिकल एवं बस सुविधा

नर्सरी से 12वीं / माध्यम : अंग्रेजी, हिन्दी

पताः पोस्ट ऑफिस रोड बैढ़न मोबाइल : 9826861958, 9926391442

फसल अवशेष जलाने की घटनाओं की जांच के बाद कार्यवाही के निर्देश

नवभारत न्यूज

सतना, 22 अप्रैल. कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने सतना जिले में फसल अवशेष, नरवाई को जलाने पर प्रतिबंध के बाद भी फसल अवशेष जलाने और उनसे होने वाली दुर्घटनाओं को गंभीरता से लिया है।

कलेक्टर ने सभी संबंधित एसडीएम और उप संचालक कृषि को पुन: निर्देशित किया है कि फसल अवशेष जलाने से होने वाली दुर्घटनाओं की जांच कर दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही करें। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. सतीश कुमार एस ने धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत सतना जिले की राजस्व सीमा में पहले से ही प्रतिबंध लगाया जा चुका है। अनुविभागीय दण्डाधिकारी, कृषि विभाग के अधिकारी एवं सभी संबंधित अधिकारियों को कलेक्टर ने एक बार फिर से आगजनी और नरवाई में आग लगाने की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण बनाये रखने के निर्देश दिये हैं।

कलेक्टर ने सभी नगर परिषद, नगर निगम को पूर्व में स्पष्ट निर्देश दिये थे कि संस्था में उपलब्ध अग्निशमन यंत्र (फायर ब्रिगेड) चालू हालत में पानी के साथ तैयार अवस्था में रखे जाये और आवश्यकता पड़ने पर तुरंत घटना स्थल के लिए रवाना किये जाये। इसी प्रकार जनपद पंचायत और जिला पंचायत के माध्यम से सभी ग्राम पंचायत सचिव और ग्रामीण अमले को निर्देशित किया गया था कि ग्राम पंचायतों में उपलब्ध कराये पानी के टैंकर हमेशा भरे हुए रखे जाये और आस पास आवश्यकता होने पर उन्हें तुरन्त घटना स्थल रवाना किया जाये।

कलेक्टर ने इंटेक वैल एवं जल शोधन संयंत्र का किया निरीक्षण

कलेक्टर ने लिया हर घर जल योजना का जायजा, खुद पीया पानी

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 22 अप्रैल। कलेक्टर गौरव बैनल ने म.प्र. जल निगम द्वारा संचालित बैढ़न-2 समूह जल प्रदाय योजना की प्रगति की समीक्षा के लिए स्थल निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान परियोजना के प्रमुख घटकों जैसे इंटेक वेल, जल शोधन संयंत्र तथा उन ग्रामों का दौरा किया गया, जहाँ नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति प्रारंभ हो चुकी है।

कलेक्टर द्वारा योजना अंतर्गत निर्मित जल परीक्षण प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया गया, जहाँ जल के नमूनों की निर्धारित मानकों के अनुसार विभिन्न गुणवत्ता पैरामीटर पर जांच की जाती है। उन्होंने निरीक्षण के दौरान चितरंगी क्षेत्रांतर्गत के ग्राम ठठरा सोन नदी में स्थापित इंटेक वैल का भी अवलोकन किया तथा ग्राम देवरा में स्थापित जल शोधन संयंत्र का भी अवलोकन कर पेयजल की शुद्धता की बारीकियों के संबंध में जानकारी ली । वहीं जल जीवन मिशन के तहत शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराए जाने के लिए लगाए गए नल कनेक्शन के माध्यम से प्रदाय होने वाले पानी का जायजा लिया तथा ग्राम पोड़ी में छोटे लाल शाह के घर में लगे नल कनेक्शन को चालू कर जल ग्रहण कर जल के शुद्धता को जांचा। उन्होंने ग्राम पंचायत पोड़ी में पहुंच कर ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों को चर्चा करते हुए निर्देशित किया कि शुद्ध पेयजल के संबंध आम जनमानस को जागरूक करें। वहीं सम्बंधित विभाग के जीएम को भी निर्देशित किया कि शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने एवं परियोजना अंतर्गत सभी ग्रामों को निर्धारित समय सीमा में जल प्रदाय प्रारम्भ कराए। निरीक्षण के दौरान म.प्र. जल निगम के महाप्रबंधक पंकज वाधवानी, प्रबंधक विजय त्रिपाठी एवं जल निगम के इंजीनियर संबंधित ठेकेदार संस्था के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

रेल यात्री बन्धुओं के लिए आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों को अधिक सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे के द्वारा **रीवा–छत्रपति शिवाजी टर्मिनस स्पेशल साप्ताहिक ट्रेन** को दिनांक 23.04.2026 से रेगुलर गाड़ी में परिवर्तित कर चलाया जाएगा, जिसका विवरण निम्न है:–

गाड़ी संख्या 20154/20153 रीवा–सीएसएमटी साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस

परिचालन का दिन एवं दिनांकः गाड़ी सं. 20154 रीवा से **(प्रत्येक गुरूवार)**–दिनांक 23.04.2026 से एवं वापसी में गाड़ी सं. 20153 छत्रपति शिवाजी टर्मिनस से **(प्रत्येक शुक्रवार)** दिनांक 24.04.2026 से:–

गाड़ी सं. 20154 रीवा–छत्रपति शिवाजी टर्मिनस		गाड़ी सं. 20153 छत्रपति शिवाजी टर्मिनस–रीवा
आगमन–प्रस्थान	स्टेशन	आगमन–प्रस्थान
D.15.50 (Thu)	रीवा	A.09.45(Sat)
16.55-17.00	सतना	07.40-07.45
17.25-17.27	मैहर	07.03-07.05
18.05-18.10	कटनी	06.10-06.15
19.40-19.50	जबलपुर	04.55-05.05
20.48-20.50	नरसिंहपुर	03.23-03.25
21.18-21.20	गाडरवारा	02.48-02.50
21.53-21.55	पिपरिया	02.13-02.15
23.20-23.30	इटारसी	01.15-01.25
00.22-00.24	हरदा	00.03-00.05
02.02-02.05	खंडवा	22.43-22.45
04.05-04.10	भुसावल	20.15-20.20
04.35-04.37	जलगांव	19.38-19.40
06.38-06.40	मनमाड	17.53-17.55
07.42-07.45	नासिक रोड	16.58-17.00
10.57-11.00	कल्याण	14.22-14.25
11.52-11.55	दादर	13.42-13.45
A.12.20(Fri)	सीएसएमटी	D.13.30(Fri)

ठहरावः सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी, हरदा, खंडवा, भुसावल, जलगांव, मनमाड, नासिक रोड, कल्याण, दादर

कोच संरचना

वातानुकूलित प्रथम श्रेणी–01, वातानुकुलित द्वितीय श्रेणी–01

वातानुकुलित तृतीय श्रेणी–04, द्वितीय श्रेणी शयनयान–12

सामान्य कोच–04, एसएलआर–02

पश्चिम मध्य रेल

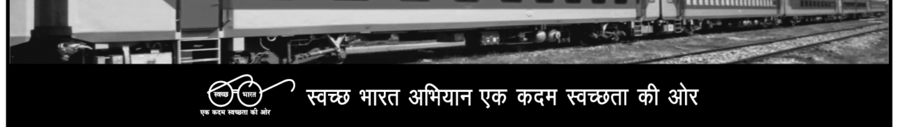

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

FOLLOW US @wc_railway West Central Railway West Central Railway Official

पन्द्रह करोड़ से अधिक की बैंक डकैती में नेपाल कनेक्शन की चर्चा

अब तक की पुलिस कार्रवाई से उपभोक्ता संतुष्ट नहीं, 4 आरोपियों की तलाश जारी

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 22 अप्रैल। जिला मुख्यालय बैढ़न स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र में 17 अप्रैल को हुई दिनदहाड़े बड़ी डकैती के मामले में पुलिस अब तक ठोस सफलता हासिल नहीं कर सकी है। करीब 15 करोड़ रुपए कीमत के सोने और 20 से 25 लाख रुपए नकद की लूट ने पूरे जिले की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के पांच दिन बाद भी पांच आरोपियों में से केवल एक ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है, जबकि बाकी चार अब भी फरार हैं।

सूत्रों के अनुसार इस डकैती के तार नेपाल से जुड़े होने की चर्चाएं तेज हैं। बताया जा रहा है कि आरोपियों का संचालन नेपाल से किया जा रहा था और उनका एक बड़ा संगठित नेटवर्क सक्रिय है, जिसकी संख्या सैकड़ों में बताई जा रही है। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन इस एंगल पर जांच जारी है। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के निर्देश पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 10 अलग-अलग पुलिस टीमें गठित की गई हैं, जो लगातार दबिश दे रही हैं। इसके बावजूद अब तक कोई बड़ी सफलता हाथ नहीं लगी है। केवल एक आरोपी से 61 ग्राम सोना और करीब 15 लाख रुपए नकद बरामद किए गए हैं, जो कुल लूट का बेहद छोटा हिस्सा माना जा रहा है। इस पूरे मामले में सिंगरौली पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

10 टीमें दौड़ रहीं, नतीजा सिफर

स्थानीय लोगों और सूत्रों का आरोप है कि पुलिस की लापरवाही और कमजोर निगरानी के चलते इतनी बड़ी वारदात संभव हो पाई। दिनदहाड़े बैंक में डकैती होना और उसके बाद भी आरोपियों का आसानी से फरार हो जाना, सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलता है। पुलिस लगातार दावा कर रही है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा, लेकिन अब तक के नतीजे इन दावों को कमजोर साबित कर रहे हैं। आम जनता में आक्रोश बढ़ता जा रहा है और लोग यह जानना चाहते हैं कि आखिर इतनी बड़ी घटना के बाद भी पुलिस कब तक खाली हाथ रहेगी। अब नजर इस बात पर टिकी है कि सिंगरौली पुलिस अपने दावों पर खरी उतरती है या फिर यह मामला भी सिर्फ कागजी कार्रवाई और बयानबाजी तक सीमित रह जाएगा।

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा.लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक, प्रकाशक आशीष श्रोती द्वारा प्लाट नं.34, इंडस्ट्रियल एरिया, सतना से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , इंडस्ट्रियल एरिया से मुद्रित . संपादक- संजय पयासी * फोन- 250587, फैक्स- 224642 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत जिम्मेदार RNI Reg. No. 72181/99